Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

ARJUN BATCH

CLASS 11th | HISTORY

तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य

अध्याय-2 | भाग-8

एकदम BASIC से!



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

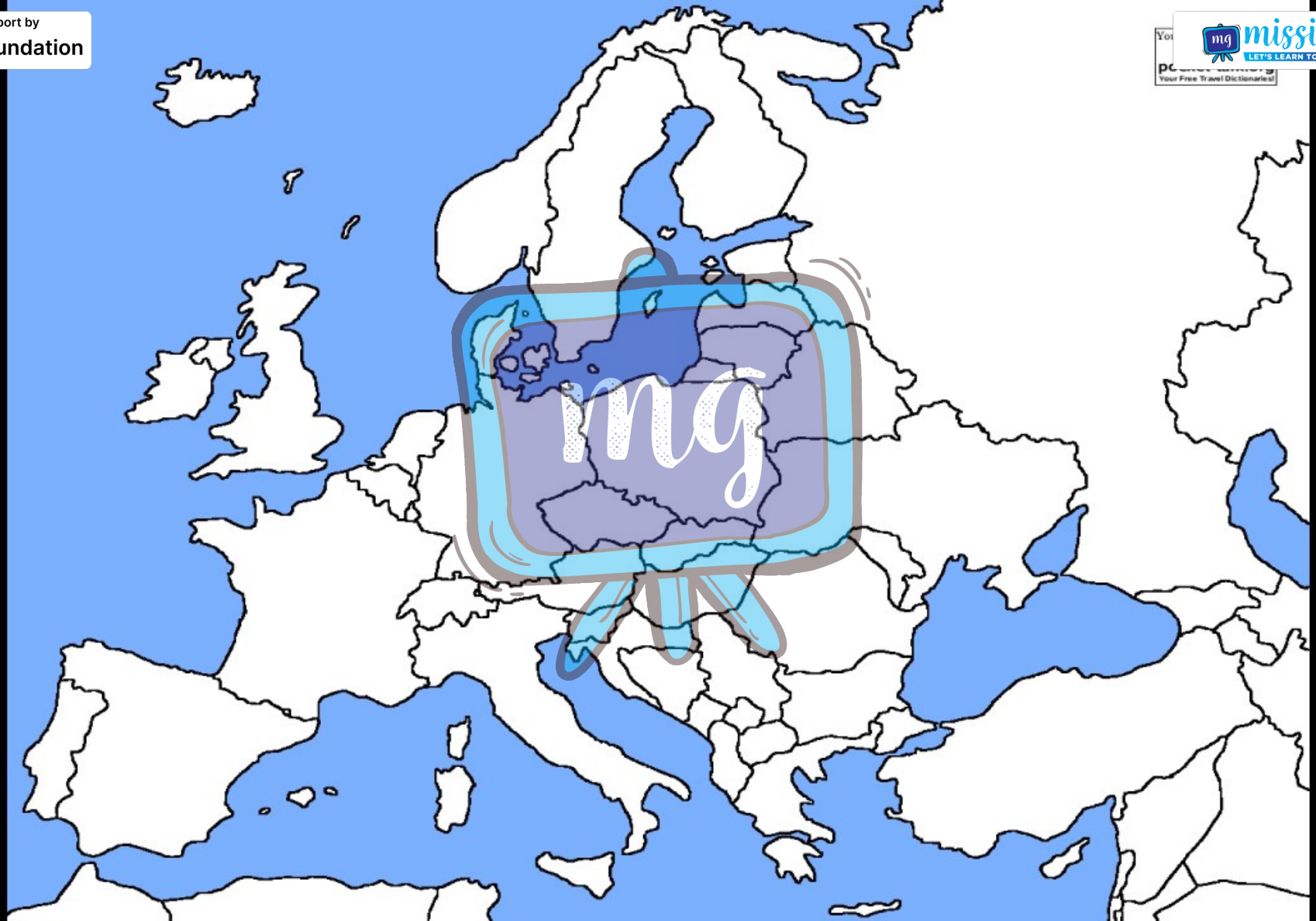
1. श्रमिकों पर नियंत्रण
2. श्रमिकों व दासों की स्थिति
2. सामाजिक श्रेणियाँ / संरचना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation



missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

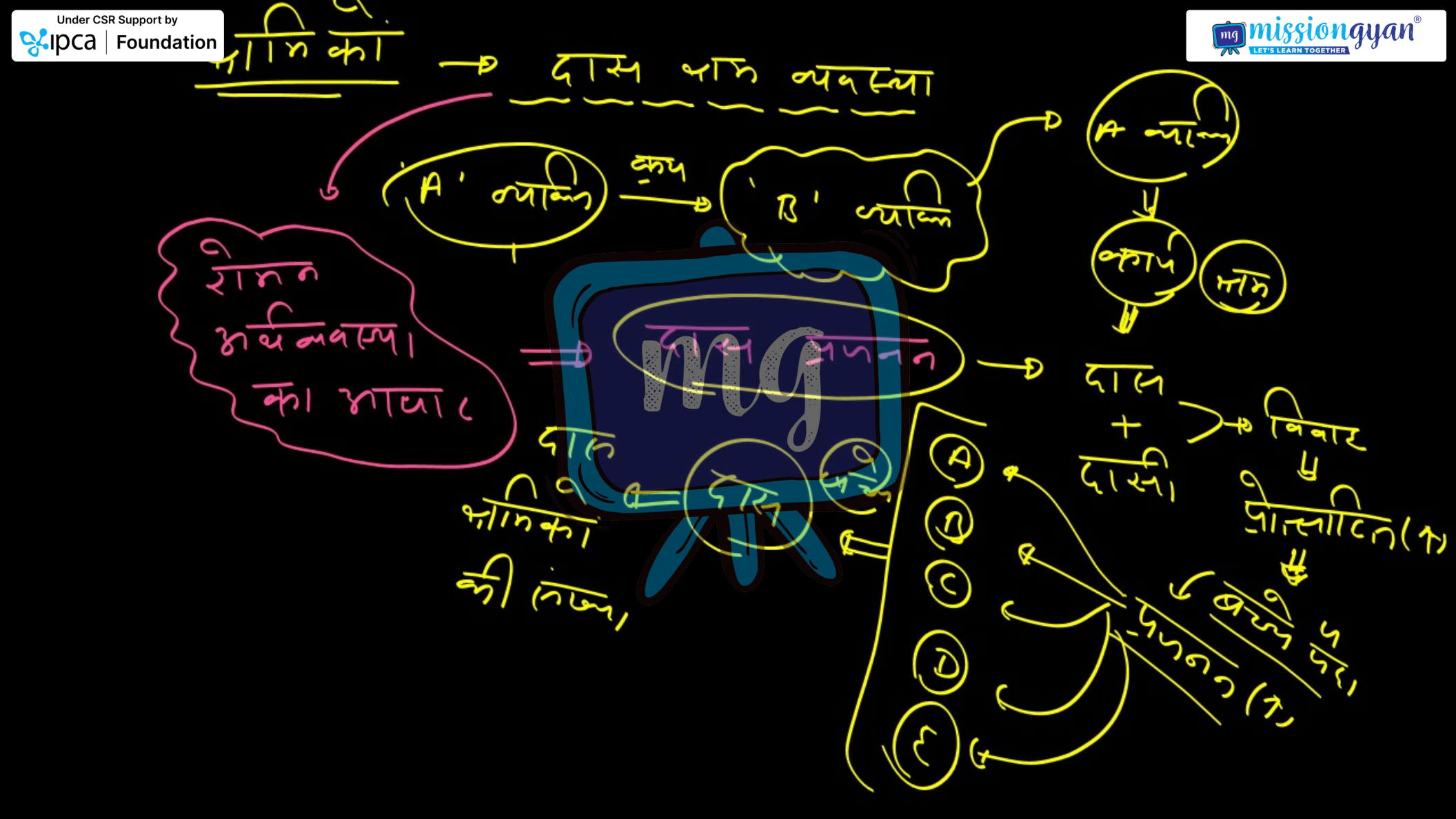
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



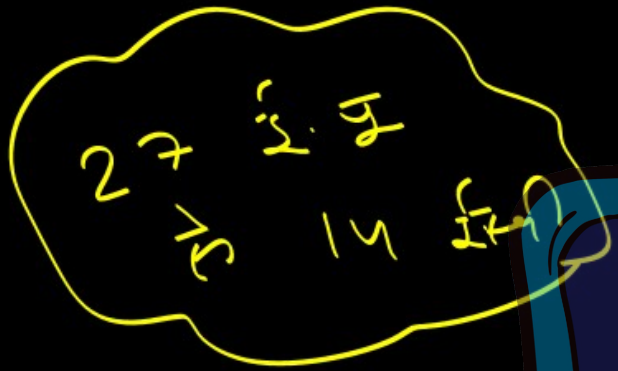
Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER


दास श्रम व्यवस्था
'A' व्यक्ति
क्रय
'B' व्यक्ति
A व्यक्ति
कार्य
मजदूरी
दास अर्थव्यवस्था का आधार
दास उपलब्धता
दास
दास
दास
दास
दास
दास
दास + दासी
विवाह
प्रोत्साहित (+)
दासी
दास
दास
दास
दास
दास
दास
दास

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



श्रमिकों पर नियंत्रण

- भूमध्य सागर और निकटवर्ती पूर्व (पश्चिमी एशिया) में दासता की जड़े गहरी थी।
- ऑगस्टस के काल में इटली की कुल 75 लाख की आबादी में 30 लाख दास थे।
- दासों को पूँजी-निवेश की दृष्टि से देखा जाता था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

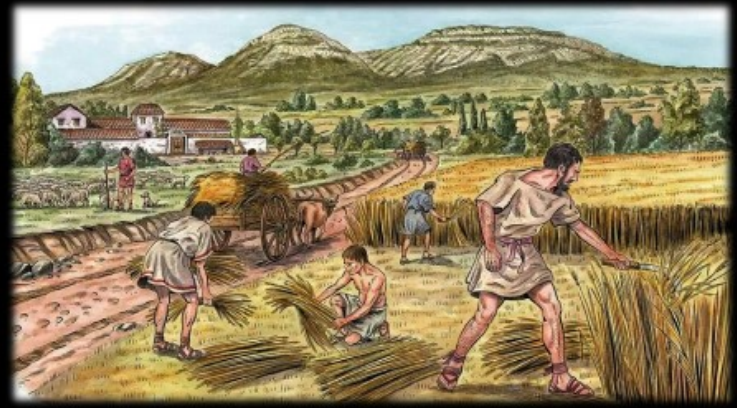


- **उच्च वर्ग** : दासों के प्रति क्रूरतापूर्ण व्यवहार।
- **साधारण लोग** : दासों के प्रति सहानुभूति।
- दासों की आपूर्ति में कमी आने पर **दास प्रजनन** अथवा वेतनभोगी मजदूरों का सहारा लेना पड़ा।
- **दास प्रजनन** : गुलामों की संख्या बढ़ाने की एक ऐसी प्रथा जिसके अंतर्गत दासियों और उनके साथ मर्दों को अधिकाधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- दास-श्रम का बहुतायत प्रयोग बहुत महँगा था।
- इसलिए रोम में सरकारी निर्माण - कार्यों पर मुक्त श्रमिकों का व्यापक प्रयोग।
- दासों और मुक्त व्यक्तियों को व्यापार-प्रबंधकों के रूप में नियुक्त।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



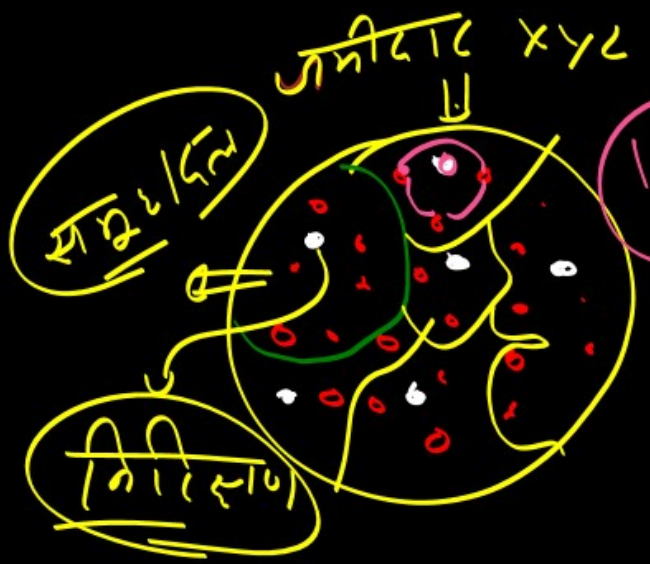
कोलुमेल्ला के सुझाव

प्लिनी का विश्लेषण

ऑगस्टीन का विचार

Under CSR Support by ipca | Foundation

mg missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



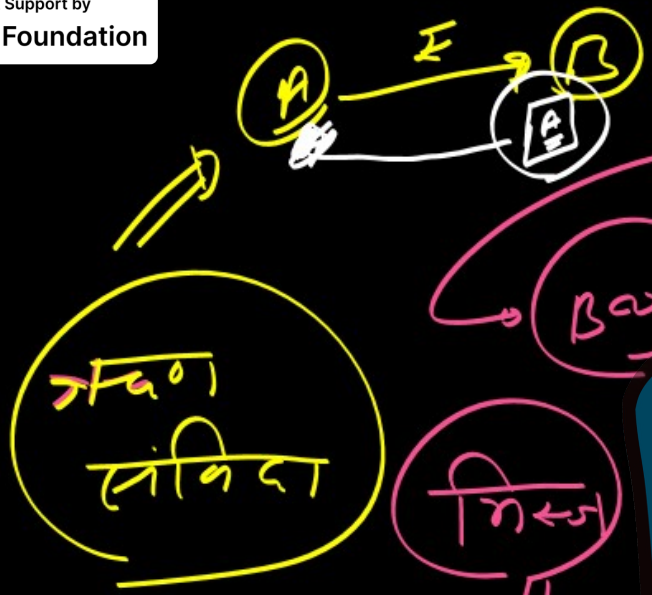
कोलूमेल्ला के सुझाव

- जमींदारों को दो गुना अधिक उपकरणों व औजारों के भंडार रखना चाहिए
- दासों व श्रमिकों की निगरानी के लिए विशेष बल
- निरीक्षण की व्यवस्था
- कामगारों का छोटे-छोटे दलों में विभाजन — 10–16
- श्रमिकों के दल दस-दस समूहों के होंगे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

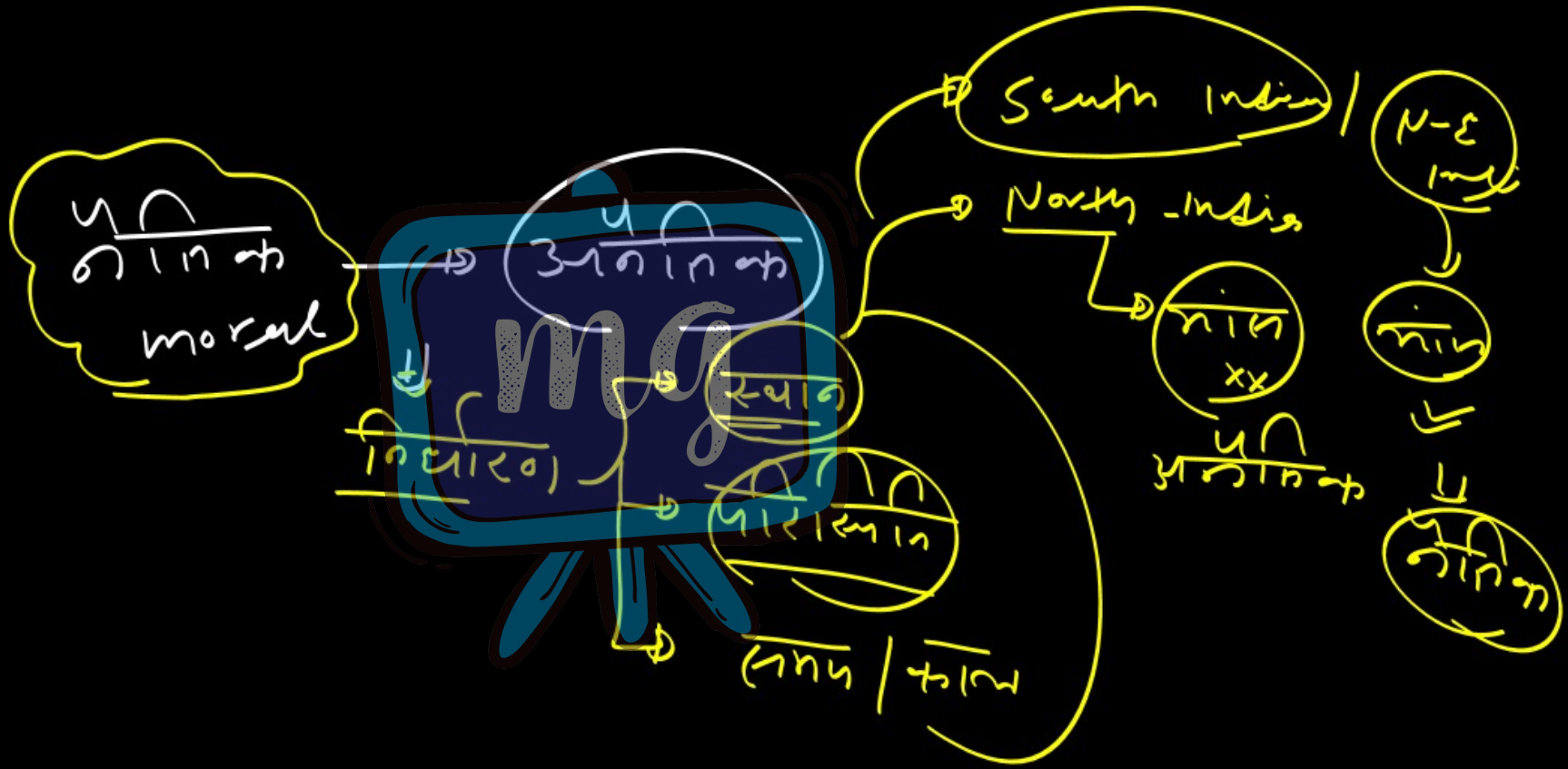


प्लिनी का विश्लेषण

- (प्रकृति विज्ञानी) ने दस समूहों के प्रयोग की निंदा की।
- दासों पर कड़े नियंत्रण वाले औद्योगिक प्रतिष्ठान
- प्लिनी ने सिकंदरिया की फ्रैंकिन्सेंस यानी सुगंधित राल की फैक्ट्रियों के हालात का वर्णन किया।
- 398 के एक कानून में यह कहा गया कि कामगारों को दागा जाता है।
- कई निजी मालिक कामगारों के साथ ऋण-संविदा के रूप में करार कर लेते थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ऑगस्टीन का विचार

- 25 वर्ष के लिए बच्चे को बेचकर बंधुआ मजदूर बनाने का जिक्र ।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सम्राट ऐनस्टैसियस

- पाँचवी शताब्दी के अंतिम वर्षों में
- श्रमिकों को अधिक वेतन देकर आकर्षित किया और 3 सप्ताह के अंदर 'दारा' शहर का निर्माण किया था।
- ग्रामीण ऋण-ग्रस्तता अधिक थी।

उदाहरण : यहूदी विद्रोह

- 66 ईस्वी
- यहूदी विद्रोह में क्रांतिकारियों ने साहूकारों के ऋणपत्र (बांड) नष्ट कर डाले।
- यह विद्रोह जूडेया में रोम शासन के विरूद्ध हुआ था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. यूरोपीय नाम
2. सुगंधित राल
3. प्रयोग धूप-अगरबत्ती और इत्र बनाने में
4. बोसेवेलिया के पेड़ से प्राप्त
5. तने में छेद करके रस प्राप्त किया जाता है, इसे सूखने राल प्राप्त किया जाता है।
6. अरब प्रायद्वीप से सर्वोत्तम किस्म प्राप्त

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

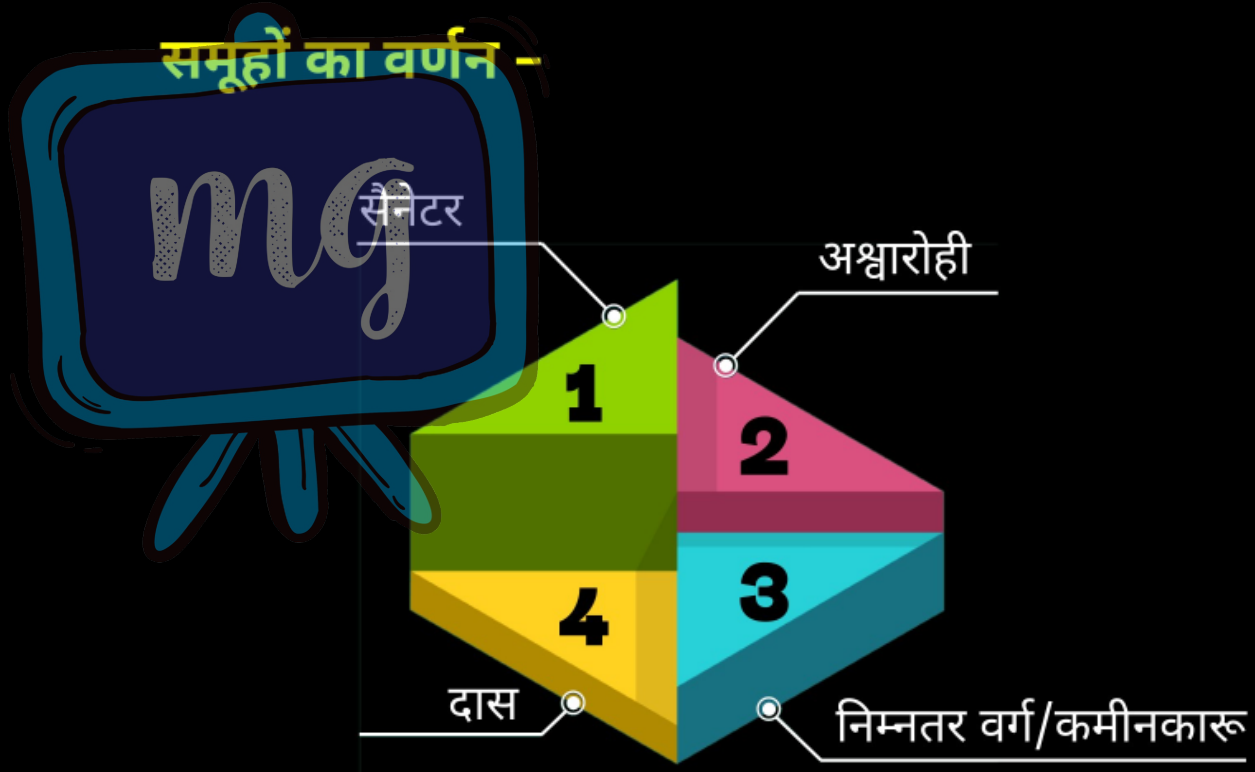
सामाजिक श्रेणियाँ/संरचना



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

टैसिटस का प्रारंभिक साम्राज्य के प्रमुख सामाजिक समूहों का वर्णन -



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- सैनेटर (पैट्रेस, शाब्दिक अर्थः पिता)।
- अश्वारोही वर्ग के प्रमुख सदस्यः जनता का सम्माननीय वर्ग, जिनका संबंध महान घरानों से था।
- फूहड़ निम्नतर वर्ग यानी कमीनकारू (प्लेब्स सोर्डिडा), जो उनके अनुसार, सर्कस और थिएटर तमाशे देखने के आदी थे ।
- अंत में दास।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परवर्ती काल में रोमन साम्राज्य की प्रमुख सामाजिक श्रेणियाँ



मध्यम वर्ग

निम्नतर वर्ग

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- दूसरा सबसे अधिक शक्तिशाली और धनवान समूह
- आधे परिवार अफ्रीकी या पूर्वी मूल के थे।
- इक्वाइट्स → संपत्ति उन्हें घुड़सेना में भर्ती होने की औपचारिक योग्यता प्रदान करती थी; इसीलिए इन्हें कहा जाता था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- **मध्यम वर्ग** → नौकरशाही और सेना से संबंधित लोग शामिल। किन्तु इसमें अपेक्षाकृत अधिक समृद्ध सौदागर और किसान भी शामिल थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- निम्न वर्ग → एक विशाल समूह, जिन्हें सामूहिक रूप से ह्यूमिलिओरिस यानी "निम्नतर वर्ग" कहा जाता था।
- इतिहासकार ओलिंपिओडोरस के अनुसार रोम नगर में रहने वाले कुलीन परिवारों की वार्षिक आय 4000 पाउंड सोने के बराबर होती थी।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

निम्न वर्ग में शामिल प्रमुख लोग



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

ओलम्पियोडोरस →

- पाँचवी शताब्दी के प्रारम्भिक काल के इतिहासकार व राजदूत
- इन्होंने लिखा कि "रोम नगर में रहने वाले कुलीन परिवारों को उनकी संपदाओं से वार्षिक आय चार हजार पौंड के बराबर थी।"

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- नौकरशाही के उच्च तथा मध्य वर्ग अपेक्षाकृत बहुत धनी थे
- उन्हें अपना वेतन सोने के रूप में मिलता था।
- रोम में द्वितीय श्रेणी के परिवारों की आय 1000 अथवा 1500 पाउंड सोना थी।
- आमदनी का अधिकांश भाग परिसंपत्तियों को खरीदने में व
- न्यायप्रणाली व सैन्य आपूर्ति के प्रशासन में भ्रष्टाचार अधिक था